सीवान की युसरा फातमा का इंडिया बुक ऑफ रिकॉर्ड्स में नाम दर्ज

चर्चा में क्यों?

हाल ही में बिहार के सीवान ज़िले की यूसरा फातमा सबसे कम उम्र में सबसे अधिक हिंदी काव्य पुस्तक लिखने वाली पहली किशोरी बनी है, जिसके लिये उसका नाम इंडिया बुक्स ऑफ रिकॉर्ड्स 2023 में दर्ज किया गया है।

प्रमुख बिंदु

- सीवान ज़िला के बरहड़िया प्रखंड अंतर्गत तेतहली गाँव की यूसरा फातमा ने मात्र 15 साल 6 महीने की उम्र में चार काव्य लिखकर यह उपलब्धि हासिल की है।
- इस रिकॉर्ड के साथ वह किशोर अवस्था में सर्वाधिक हिंदी काव्य पुस्तिका लिखने वाली भारत की पहली लड़की बनी है। युसरा आठ वर्ष की उम्र से कविताएँ लिख रही है। 12 वर्ष की उम्र में उसने पहली काव्य पुस्तिका लिखी थी।
- युसरा ने अपनी हिंदी कविताओं के माध्यम से समाज को आईने के रूप में रखने की कोशिश की है। इसके अलावा समाज को जागरूक करते हुए लिखा है, कि चलचित्र से केवल चित्र नहीं देखे बल्कि उसका चरित्र देखे और अनुसरण करें।
- युसरा ने चार काव्य किताब लिखी है जिसमें 'जज्बा', 'मेरे हिस्से की कोशिश', 'शाम और तन्हाई', और 'बेरुखी'काव्य संग्रह शामिल है।

INDIA BOOK OF RECORDS 2023
INDIA BOOK OF RECORDS
MAXIMUM HINDI POETRY BOOKS WRITTEN BY A TEEN

PDF Refernece URL: https://www.drishtiias.com/hindi/printpdf/siwan-s-yusra-fatma-s-name-in-india-book-of-records